

**Gramin (ACS) Mahavidyalaya VasantNagar Kotgyal**  
**Tq.Mukhed Dist.Nanded**

**Department of Hindi**

(पाठ्यक्रम - परिणाम)

कथेतर गद्द प्रश्न पत्र क्र - III (व्दित्तीय भाषा)SL बी.ए., बी.कॉम, बी.एस्सी.  
(व्दित्तीय वर्ष)

उद्देश:-

- 1) हिंदी कथेत्तर गद्द की नई विद्दाओं से परिचित होंगे ।
- 2) सम्बोधन, निबंध,एंकांकी, डायरी, व्यंग, पत्र संस्मरण लेख, जीवनी, विज्ञान आदि विद्दाओं का स्वरूप परिभाषा समझ सकेंगे।
- 3) इन विविध विद्दाओं से तत्वो से परिचित हो पाएंगें।

निबंध तथा कथेत्तर गद्द प्रश्न कक्षा:- बी.ए. (व्दित्तीय वर्ष) (एच्छिक)- प्रश्नपत्र क्र. VI,VIII,

उद्देश:-

- 1) निबंध के अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को समझ सकेंगे।
- 2) निबंध के विविध प्रकार को जान सकेंगे।
- 3) निबंध रचना - तत्वो से अवगत होंगे।
- 4) निबंध विकास - क्रम से परिचित होंगे।
- 5) ' लज्जा और ग्लानी', 'द्ध देवदारु' निबंधो के मुलचिंतन को समझ सकेंगे।
- 6) पाठ्यक्रम में स्थित निबंध मे अभिव्यक्त विचारों और लेखन शैली से अवगत होंगे।

नाटक तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रश्नपत्र क्र. IV (व्दित्तीय भाषा)

कक्षा :- बी.ए., बी. कॉम. बी.एस्सी.(व्दित्तीय वर्ष)

उद्देश:-

- 1) नाटक की परिभाषा और अन्हके स्वरूप का ज्ञान देना ।
- 2) नाटकीय रंगमंच के तत्वों से अवगत करना।
- 3) नाटक के अभिनय तथा रंग संकेत के संदर्भ मे प्रसंगानुसार ज्ञान देना।
- 4) नाटक की समिसा का ज्ञान देना।

- ५) नाटक के कथानक के अनुरूप समय को स्थिती से अवगत करना । जैसे - यह नाटक दलित संवेदना से जुडा रहने से दलित चेतना ज्ञान देना।
- ६) कम्प्यूटर के माध्यम से विश्व की जानकारी दुढना, मेल आय.डी. पंजीकरण तथा ई - मेल करने के विधी को समझना।

हिन्दी कौशल को विकसित करना- प्रश्नपत्र क्र. III,IV

उद्देश:-

- १) छात्रो में लेखन कौशल को विकसित करना।
- २) छात्रों को व्यवसायभिमुख कौशल को विकसित करना
- ३) छात्रो को कौशल के माध्यम से सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करना
- ४) कौशल विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना।
- ५) कौशल के माध्यम अनेक क्षेत्रों से हिन्दी को जोडना।

नाटक तथा एकांकी- प्रश्नपत्र क्र. II,IV, बी.ए. प्रथम वर्ष ऐचिक हिन्दी

उद्देश:-

- १) नाटक और एकांकी विधा से परिचित करना।
- २) नाटक के प्रति छात्रो में रुचि उत्पन्न करना।
- ३) संवाद लेखन - वाचन कौशल का विकास करना।
- ४) रंगमंच मसे संबंधीत जानकारी छात्रो को देना।
- ५) अभिनय के प्रति आकर्षण निर्माण करना।

मध्ययुगिन तथा आधुनिक काव्य – प्रश्नपत्र क्र. V,VII, बी.ए. व्दितीय वर्ष ऐच्छिक हिन्दी

उद्देश:-

- १) भक्ति अवधारजा को स्पष्ट करना।
- २) भक्ति अंदोलन को परीचित करना।
- ३) सगुण और निर्गुण काव्यधारा के आशय को समझाना।
- ४) आधुनिकता की अवधारणा के स्वरूप को स्पष्ट करना।
- ५) आधुनिक काव्य की विविध धाराओं को ऐक्षिस मे परिचय करना।
- ६) आधुनिक काव्य में प्रमुख कावियों की रचनाओं का अध्ययन करना।

बी.ए. तृतीय वर्ष, हिन्दी भाषा – प्रश्न पत्र क्र. X

उद्देश:-

- १) हिन्दी भाषा के प्रति छात्र में कृषी उत्पन्न करना ।
- २) भाषा के स्वरूप को समझना ।
- ३) हिन्दी भाषा के प्रयुक्ती क्षेत्रो का परिचय करना ।

- ४) भाषाही वैविध्य वाले भारत देश मे हिंदी के महत्व को समजना ।
- ५) कार्तिक के युग मे हिंदी भाषा की उपयोगिता को समझना ।
- ६) संविधानिक स्थिति से छात्रो को अवगत करणा ।

### भाषा शिक्षण – प्रश्नपत्र क्र. XII

#### उद्देश:-

- १) भाषा शिक्षण के महत्व प्रतिपादित करणा ।
- २) हिंदी भाषा के व्याकरणिक कार्य को समजना ।
- ३) भाषा ही शुद्धता व कुशलता के माध्यम से रोजगार के अवसर बनाना ।
- ४) बदलते भाषा ही प्रवेश मे परंपरागत भाषा ही मोदी कथा और लोकभावनाओ को समजना ।

### कथा साहित्य प्रश्नपत्र क्र.-I

#### उद्देश:-

- १) हिंदी साहित्य की कहानी और उपन्यास विधा से छात्रो को परिचित करणा ।
- २) कथासाहित्य की लेखन शैली से परिचित करणार ।
- ३) कथा साहित्य के माध्यम से छात्रों की चिंतन कथा लेखन कौशल्य की समता को विकसित करणा ।
- ४) विविध पात्रो की मानसिकता एवं क्रिया कला पुसे छात्र मे रुची और गलत को समजने की क्षमता विकसित करणा ।
- ५) कथा साहित्य के माध्यम से छात्रों को विविध समस्या व से अवगत करून समस्या ओके समाधान के लिए प्रेरित करना ।

### साहित्य भारती प्रश्नपत्र क्र.-I

#### उद्देश:-

- १) द्वितीय भाषा के रूप में छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय देना ।
- २) कालानुरूप कहानी और काव्य में आये परिवर्तन को समजना ।
- ३) कहानी और काव्य के माध्यम से छात्रों परीकृत करणार ।
- ४) छात्रों को हिंदी के व्यवहारिक ज्ञान से अवगत कराना ।
- ५) हिंदी भाषा के प्रति छात्रों मे रुची उत्पन्न करना ।
- ६) रचनाओं में व्यक्त समस्याओ के समाधान के लिए छात्रो को प्रेरित कर बहुतेक मुल्य प्रस्थापित करना ।

### प्रश्नपत्र का नाम - हिन्दी साहित्य का इतिहास तथा साहित्यशास्त्र- प्रश्नपत्र क्र. IX

#### पाठ्यक्रम के उद्देश एवं महत्व

- १) हिन्दी साहित्य के बृद्धत इतिहास का परिचय कराना
- २) हिन्दी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमी को समझना ।
- ३) साहित्यिक प्रवृत्तियों की परंपरा को समझना ।
- ४) साहित्य के माध्यम से जीवनमूल्यो एवं जीवन दर्शन को समझना ।
- ५) भाषाई शिल्प परिवर्तनों को समझना ।
- ६) हिन्दी साहित्य के अदिकाल तथा रीतिकाल का संक्षिप्त परिचय देना ।
- ७) भक्तिकाल तथा आधुनिक काल की प्रवृत्तियों से छात्रो को अवगत कराना ।

#### साहित्यशास्त्र- प्रश्नपत्र क्र. XI

- १) साहित्य का शास्त्रीय पद्धति से अध्ययन करना ।
- २) साहित्यशास्त्र के महत्त्व को प्रतिपादित करना ।
- ३) छात्रो में साहित्य के प्रति शास्त्रीय दृष्टिकोन विकसित करना ।
- ४) शब्द ओर अर्थो के संबंधो को समझना ।
- ५) आयोजन की मानवीय सहज पृर्वती का साहित्यिक विश्लेषण करना ।